नूह की वंशावली

क्रमांक	नाम	आयु (वर्ष)	विवरण
१	नूह	९५०	नूह के ३ बेटे हुए - शेम, हाम और येपेत

शेम की वंशावली

२	शेम	६००	शेम के ५ बेटे और बेटियाँ उत्पन्न हुईं। (१) एलाम (२) अश्शूर (३) अर्पक्षद (४) लूद (५) आराम आराम के ४ पुत्र हुए। (१) ऊस (२) हूल (३) गेतेर (४) मश
३	अर्पक्षद	४३८	शेम का पुत्र और शेलह का पिता। इसकी और भी सन्तानें हुईं।
४	शेलह	४३३	अर्पक्षद का पुत्र और एबेर का पिता। इसकी और भी भी सन्तानें हुईं।
५	एबेर	४६४	शेलह का पुत्र और पेलेग तथा योक्तान का पिता इसकी और भी भी सन्तानें हुईं।
६	पेलेग और योक्तान दो भाई	२३९	एबेर का पुत्र और रू का पिता। इसकी और भी भी सन्तानें हुईं। पेलेग नाम इसलिए रखा गया क्योंकि उसके दिनों में पृथ्वी बंट गई।
		अज्ञात	योक्तान के १३ पुत्र : (१) अल्मोदाद (२) शेलेप (३) हसर्मावेत (४) येरह (५) यदोरवाम (६) ऊजाल (७) दिक्ला (८) ओबाल (९) अबीमाएल (१०) शबा (११) ओपीर (१२) हवीला (१३) योबाब
७	रू	२३९	पेलेग का पुत्र और सरूग का पिता। इसकी और भी सन्तानें हुईं।
८	सरूग	२३०	रू का पुत्र और नाहोर का पिता। इसकी और भी सन्तानें हुईं।
९	नाहोर	१५८	सरूग का पुत्र और तेरह का पिता। इसकी और भी सन्तानें हुईं।
१०	तेरह	२०८	नाहोर का पुत्र और (१) अब्राम (२) नाहोर (३) हारान का पिता
नोट : शेम के पुत्र ये ही हुए; और ये भिन्न-भिन्न कुलों, भाषाओं, देशों और जातियों के अनुसार अलग-अलग हो गये।			

हाम की वंशावली

हाम के ४ पुत्र	(१) कूश (२) मिस्र (३) फूत (४) कनान
कूश के ५ पुत्र	(१) सबा (२) हवीला (३) सबता (४) रामा (५) सबूतका
रामा के २ पुत्र	(१) शबा (२) ददान
नोट : कूश के वंश में निम्रोद हुआ। पृथ्वी पर पहिला वीर वही हुआ है। निम्रोद यहोवा की दृष्टि में पराक्रमी शिकार खेलने वाला ठहरा।	
मिस्र	इसके वंश में लूदी, अनामी, लहाबी, नप्तूही, पत्रुसी, कसलूही, और कप्तोरी लोग हुए।
नोट : कसलूहियों में से पलिश्ती लोग निकले।	
कनान	इसके वंश में सीदोन, हित्त, यबूसी, एमोरी, गिर्गाशी, हिव्वी, अर्की, सीनी, अर्वदी, समारी, और हमाती लोग हुए।
नोट : हाम के वंश में ये ही हुए; और ये भिन्न भिन्न कुलों, भाषाओं, देशों, और जातियों के अनुसार अलग अलग हो गये।	

येपेत की वंशावली

येपेत के ७ पुत्र	(१) गोमेर (२) मागोग (३) मादै (४) यावान (५) तूबल (६) मेशेक (७) तीरास
गोमेर के ३ पुत्र	(१) अशकनज (२) रीपत (३) तोगर्मा
यावान	इसके वंश में (१) एलीशा (२) तर्शीश (३) कित्ती (४) दोदानी लोग हुए।
नोट : येपेत के वंश में ये ही हुए और ये अन्यजातियों के द्वीपों के देशों में ऐसे बंट गए, कि वे भिन्न भिन्न भाषाओं, कुलों, और जातियों के अनुसार अलग अलग हो गए।	

सन्दर्भ : उत्पत्ति १०-११, पवित्र बाइबल, बाइबल सोसाइटी ऑफ इंडिया, बेंगलोर, २०००, पृ. ११-१३

प्रॉफसर नवीन गिडियन